अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART-3

(65) मन और उसकी अवस्थाओं तथा क्रियाओं का अध्ययन करने वाला शास्त्र – मनोविज्ञान
(66) जिसमें सामर्थ्य न हो – असमर्थ
(67) आदि से लेकर अंत तक आद्योपान्त
(68) नियमबद्ध या निंदनीय कार्य करने वालों की सूची कालीसूची
(69) गायों को पालने और रखने का स्थान गोशाला
(70) ज्ञान देने वाली ज्ञानदा
(71) घर-घर जाकर लोगों को डाक पहुँचाने वाला कर्मचारी डाकिया
(72) जिसमें शब्द न हो निःशब्द
(73) एक देश से दूसरे देश में माल भेजना निर्यात
(74) दूसरे देश से अपने देश को माल लाना आयात
(75) पशुओं का सा या पशुओं के आचरण जैसा पाशविक
(76) अंक (गोद) में सोने वाला अंकशायी
(77) किसी पद्य के अंतिम अक्षर में नया पद्य आरम्भ करने का खेल
(78) जिसके पास कुछ भी न हो अकिंचन
(79) जिसका कभी जन्म न हो अजन्मा
(80) जो दिखायी न देता हो अदृश्य
(81) जो नया न हो अनूतन
(82) जो दिखायी देता है दृश्य
(83) जो नया हो नूतन
(84) सामान्य या व्यापक नियम के विरुद्ध बात अपवाद
(85) जो कभी मरे नहीं अमर
(86) जिस रोग का ठीक होना कठिन हो असाध्य
(87) आकाश को चूमने वाला गगनचुम्बी

(88) जिस रोग का ठीक होना संभव है — साध्य
(89) अग्नि से संबंधित या आग का — आग्नेय
(90) अतिथि की सेवा करने वाला — अतिथेयी
(91) किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला — उत्सुक
(92) जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो — ईर्ष्यालु
(93) वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो — उत्पाद
(94) पर्वत के पास की भूमि — उपत्यका
(95) जो उपजाऊ भूमि हो — उर्वरा
(96) सूर्योदय से पहले का समय — उषाकाल
(97) जो उपजाऊ भूमि न हो — ऊसर
(98) जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न होता हो — ऊसर
(99) चांद्र मास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि — एकादशी
(100) इतिहास से सम्बंधित — ऐतिहासिक (इतहास + इक)
(101) अपनी विवाहित पत्नी से उत्पन्न (पुत्र) — औरस
(102) प्रेमिका से जन्म लेने वाली संतान (पुत्र) — जारज
(103) कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग — कर्णपाली
(104) चारों युगों में से चौथा कलह का युग — कलियुग
(105) तांत्रिक जो अपने हाथ से कपाल (खोपड़ी) लिये रहते हैं — कापालिक
(106) किये हुए उपकार को मानने वाला — कृतज्ञ
(107) उपकार को नहीं मानने वाला — कृतघ्न
(108) जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो — कृत्रिम (बनावटी)
(109) बालों को सजाने-सँवारने का काम — केशविन्यास
(110) क्षमा किये जाने योग्य — क्षम्य
(111) जिसका कोई हिस्सा टूटकर अलग हो गया हो — खंडित
(112) गंगा और यमुना के जल के मेल के दो तरह के रंग का — गंगा-जमुनी
(113) गृह बसाकर रहने वाला — गृहस्थ
(114) संध्या काल जब गाये चरकर लौटती हैं — गोधूलि

(115) जिसके चूड़ा (बालों) में चन्द्रमा है — चन्द्रचूड़ (शिव)
(116) चिंता उत्पन्न करने वाला — चिंताजनक
(117) सेना के ठहरने का स्थान — छावनी
(118) जन्म से सौ वर्ष का समय — जन्मशती
(119) सौ वर्षों का समय — शताब्दी
(120) किसी को जीतने की चाह — जिगीषा
(121) जिसने इन्द्रियों पर विजय पा ली हो — जितेन्द्रिय
(122) चारों ओर जल से घिरा हुआ भू-भाग — टापू
(123) विवाद या गुटबाजी से अलग रहने वाला — तटस्थ
(124) जल से तीन ओर घिरा हुआ भू-भाग — द्वीप
(125) छुटकारा (त्राण) दिलाने वाला — त्राता
(126) पति- पत्नी का जोड़ा — दंपती
(127) गोद लिया हुआ पुत्र — दत्तक
(128) अपराध और दण्ड देने के नियम निर्धारित करने वाला ग्रन्थ — दण्डसंहिता
(129) जो कठिनाई से मिलता हो — दुर्लभ
(130) पति के छोटे भाई की पत्नी — देवरानी
(131) राजा द्रुपद की पुत्री — द्रौपदी/पंचाली
(132) 'कंजूसी से धन व्यय करने वाला — कृपण/कंजूस
(133) जो आसानी से मिलता है — सुलभ
(134) पति के बड़े भाई की पत्नी — जेठानी
(135) पति का छोटा भाई — देवर
(136) पति का बड़ा भाई — जेठ
(137) भला चाहने वाला — हितैषी
(138) जिसके पास घर न हो — अनिकेत
(139) जिस स्त्री के पुत्र और पति न हो — अवीरा

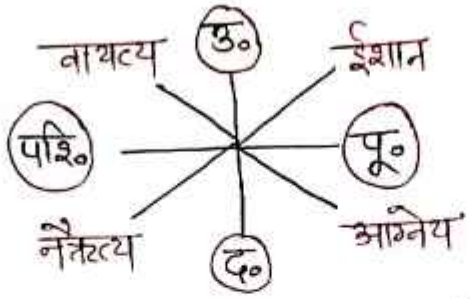

उ० व पूर्व के बीच की दिशा → ईशान
पूर्व व दक्षिण के बीच की दिशा → आग्नेय
दक्षिण व पश्चि० के बीच की दिशा → नैऋत्य
उ० व पश्चि० के बीच की दिशा → वायव्य